तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 25. 0 डिग्री

हरिभूमि

जांजगीर-चांपा भूमि

बिलासपुर, बुधवार, 10 सितंबर 2025

अकलतरा | बलौदा | नवागढ़ | पामगढ़ | मालखरौदा |जैजैपुर| डभरा | सक्ती

प्रगतिरत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय पर कराएं पूर्ण : तोपनो

4

दो दिवसीय बैरिस्टर स्मृति समारोह 18 से

जांजगीर-चांपा। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के आयोजन की तैयारी के संबंध में कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक ली। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह दो दिवसीय 18 एवं 19 सितम्बर तक शहीद स्मारक परिसर कचहरी चौक जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जांजगीर में आयोजित किया जायेगा। समारोह में बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीद परिवारों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिभा सम्मान, विधिक संगोष्ठी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, विभागीय प्रदर्शनी जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

ब्लैक मार्केटिंग का नया सिस्टम, सुबह कूपन देकर रात में बेच रहे यूरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

सड़क किनारे रातोंरात खाली हो रहा ट्रक

खास बातें

- छापामारी से बचने गोदाम में नहीं कर रहे भंडारण
- जांजगीर जिले के खैरताल, नवागढ़, केरा, बिर्रा और सक्ती जिले के जैजैपुर में आधी रात लगती है गाड़ियां
- हजार-बारह से बढ़कर 15 सौ तक हो गई कीमत

कृषि प्रधान जांजगीर-चांपा और पड़ोसी जिला सक्ती में यूरिया खाद की कालाबाजारी चरम पर है। यहां ब्लैक मार्केटवालों ने जहां यूरिया की कीमत हजार-बारह सौ रुपए से बढ़ाकर पंद्रह सौ रुपए कर दी है तो वहीं छापामारी से बचने बिक्री के लिए भी नायाब तरीका ढूंढ निकाला है। बताया जाता है कि बाजार में यूरिया लेने के लिए व्यापारी के यहां सुबह उनके मन मुताबिक रेट पर एडवांस में रुपए देने होते है। इसके बाद कूपन लेकर रात्रि में फोन की घंटी बजने का इंतजार किया जाता है। इस दौरान यूरिया की गाड़ी सड़क किनारे सूनसान इलाके में खड़ी होती है, जहां से किसानों को उनके कूपन के आधार पर खाद देकर तत्काल रवाना किया जाता है। घंटे-दो घंटे के भीतर पूरी ट्रक खाली हो जाती है।

गौरतलब है कि जिले में पिछले माहभर से यूरिया खाद की किल्लत बनी हुई है। ऐसे में सोसायटियों में करीब 267 रुपए में मिलने वाला यूरिया खुले बाजार में हजार-बारह सौ रुपए और उसके अधिक में बिकने लगा है। खाद की कालाबाजारी रोकने प्रशासन द्वारा गठित टीम छापामार कार्रवाई भी कर रही है। बताया जाता है कि इस तरह की स्थिति को देखते हुए यूरिया के अवैध कारोबारियों ने रात में यूरिया बेचने का नया तरीका ढूंढ निकाला है।

विगत दिवस नवागढ़ ब्लॉक के ग्राम खैरताल में रात के समय सड़क किनारे एक ट्रक खड़ी हुई। बताया जाता है कि जिन किसानों ने व्यापारियों से खाद लेने के लिए एक दो दिन पहले एडवांस में रुपए जमा किए थे, वे कूपन लेकर गाड़ी के पास पहुंचे, जहां से उन्हें खाद देकर रवाना किया गया। यही स्थिति सक्ती जिले के जैजैपुर क्षेत्र में भी बताई जा रही है। यहां भी जैजैपुर सहित आसपास के आधा दर्जन गांवों में यूरिया बेचने वाले व्यापारी किसानों से 12 से 15 सौ की दर पर यूरिया की बिक्री कर रहे है। बताया जाता है किसानों से एडवांस में पूरी राशि लेकर यूरिया का कूपन थमया जाता है इसके बाद सूचना मिलते ही किसान कूपन लेकर उनके बताए हुए ठिकाने पर पहुंचता है, जहां ट्रक से सीधे उन्हें खाद उपलब्ध कराया जाता है। इस तरह की स्थिति जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ, खैरताल, केरा, बिर्रा, शिवरीनारायण के अलावा सक्ती जिले के जैजैपुर क्षेत्र में ज्यादा बताई जा रही है।

पुरानी रंजिश पर करही पंचायत में हत्या, सरपंच पति समेत सात पहुंचे जेल

महानदी में बैराज किनारे मिला उपसरपंच का शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-बिर्रा

करही पंचायत में उपसरपंच की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी सरपंच पति सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था, वहीं उनके बयान के आधार पर महानदी में शव की तलाश की जा रही थी। पुलिस ने देर रात साराडीह बैराज के पास उपसरपंच के शव को बरामद किया। वहीं उसकी बाइक भी मिल गई। मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों को रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार 6 सितंबर की रात्रि में करही पंचायत का उपसरपंच महेन्द्र बघेल घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने रविवार को थाने में सूचना दी। मामले में परिस्थिति संदिग्ध परिलक्षित होने पर एसपी विजय पांडेय के दिशा निर्देशन में गुम इंसान की पतासाजी शुरु की गई। विवेचना के दौरान पता चला कि उप सरपंच के भाई जितेन्द्र बघेल के द्वारा सरपंच पति राजकुमार साहू द्वारा अनहोनी करने का परिजन ने अंदेशा जताया था। इसी आधार पर पुलिस ने तफ्तीश शुरू की और संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो ग्राम करही सरपंच पति राजकुमार साहू व उसके अन्य साथियों के द्वारा हत्या कर शव को बरेकेल पुल से महानदी में फेकने की जानकारी सामने आई। इस तरह पुलिस ने डीडीआरएफ टीम की मदद से महानदी में उप सरपंच महेन्द्र बघेल के शव कि तालाश शुरू की, लेकिन काफी मशक्कत के बाद कुछ पता नहीं चला था। जिसके वाद ड्रोन कि मदद ली गयी और दूर तक शव कि तालाश कि गयी। इस दौरान सोमवार 8 सितंबर की रात्रि में डभरा क्षेत्र के साराडीह गांव में उपसरपंच का शव दिखा कपड़े से उनकी पहचान हुई। इधर पुलिस ने आरोपी सरपंच पति राजकुमार साहू, राजू उर्फ शैलेष कश्यप, राजेन्द्र कुमार साहू, दुर्गेश आदित्य, जितेन्द्र कश्यप, कान्हा यादव, भास्कर मांझी सभी निवासी करही एवं दो विधि विरुद्ध संघर्षरत बालक को पतासाजी कर ग्राम करही व अन्य क्षेत्र के अलग-अलग ठिकानों से उठाया। उक्त आरोपियों को धारा 103(2),61(2)क बीएनएस एवं 3(2)(व्ही) एसटीएससी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तारी के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। की गई कार्यवाही है।

पुलिस के साथ गिरफ्तार आरोपी।

पहले पिलाई शराब, फिर गमछे से घोट दिया गला

पुलिस ने बताया कि उपसरपंच के भाई ने सरपंच पति पर शंका जाहिर की थी। पूछताछ करने पर यह भी पता चला कि सरपंच पति शासकीय निर्माण कार्य के विवाद व पुरानी रंजिश को लेकर 6 सितंबर को उसे अपने घर रात्रि 08:45 बजे बुलाया था। इसके बाद ग्राम के प्राथमिक शाला भवन के पास ले जाकर उन्होंने अपने साथी जितेन्द्र कश्यप, महेन्द्र बघेल के साथ बैठाकर शराब व बियर का सेवन कराया। इस दौरान गमछा से गला को घोटकर हत्या कर दी। इसके बाद राजेन्द्र साहू से घर मे खड़ी अल्टो कार क्र० सीजी 13 एएफ 8391 को मौके पर बुलाकर जितेन्द्र कश्यप, भास्कर मांझी, कान्हा यादव और दुर्गेश को बरेकेल पुल से महानदी में डालने को कहा और फोन से राजू उर्फ शैलेष एवं एक विधि से संघर्षरत बालक को मौके पर बुलाकर मृतक उपसरपंच महेन्द्र बघेल के नीले पल्सर मोटर सायकल को किकिरदा के बुढ़ाराजा नाला टिकरा से लगे महानदी में फेकवा दिया। मौके पर एक विधि विरुद्ध संघर्षरत बालक को बुलाते हुए सभी साक्ष्य को हटाते हुए अपने भाई राजेन्द्र साहू के साथ लुकते-छिपते घर चला गया। जिससे किसी को भी भनक न लगे कि जिला-जांजगीर चाम्पा पुलिस कि सजगता से समस्त घटना क्रम के सिलसिलावार कि गई कार्यवाही का पता लगाते हुए हत्या के घटना में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही की गई।

चरित्र शंका पर पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। चरित्र शंका पर पत्नी की चाकूनुमा हथियार से हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिय है। मामला सिटी कोतवाली अंतर्गत शरदा मंगल के पीछे की है। पुलिस के अनुसार बलौदाबाजार भाठापारा निवासी जगदीश देवांगन शारदा मंगलम के पीछे रहता है। वह अपनी पत्नी से लड़ाई झगड़ा करते हुए धारदार चाकू से प्राण घातक हमला कर दिया। इसके बाद चाकू से अपने नस को काटकर आत्म हत्या करने का प्रयास किया। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि दोनों पति पत्नी बेहोशी की हालत में पड़े हुए। उन्हें तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। यहां इलाज के दौरान पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी जगदीश देवांगन को मंगलवार 9 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

हड़ताली संविदाकर्मियों ने किया जल सत्याग्रह

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

अपनी मांगों को लेकर जल सत्याग्रह करते संविदा कर्मचारी।

10 सूत्रीय मांगों को लेकर एनएचएम के संविदा कर्मचारियों ने जल सत्याग्रह किया। साथ ही साथ प्रशासन के खिलाफ नारे बाजी भी की गई। कर्मचारियों का आंदोलन 23 दिनों से जारी है।

गौरतलब है कि 10 सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्य करने वाले करीब 400 कर्मचारी विगत 23 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। उनका आंदोलन मंगलवार 9 सितंबर को भी जारी रहा। इस दौरान संविदा कर्मचारियों ने जांजगीर के ऐतिहासिक भीम तालाब पर जाकर सत्याग्रह किया कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इधर कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन आंदोलन पर चले जाने के कारण शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से अव्यवस्थित हो गई है, जिसके कारण अस्पतालों में मरीज और उनके परिजनों को परेशानी उठाने पड़ रही है। संविदा कर्मचारियों की मांगों पर नजर डाली जाए तो उनकी मांग है कि कर्मचारियों को नियमित किया जाए, उसके साथ-साथ चिकित्सा अवकाश, कैशलेस चिकित्सा, स्थानांतरण नीति में बदलाव, पूर्व मुख्यमंत्री के द्वारा घोषित करीब 27 फ़ीसदी वेतन वृद्धि सहित अन्य मांग शामिल है। संविदा कर्मचारियों का आंदोलन 23 दिनों से चल रहा है, जिसके चलते स्वास्थ्य व्यवस्था पर इसका असर पड़ रहा है। बुधवार 10 सितंबर को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत काम करने वाले करीब 400 संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर बीजेपी कार्यालय का घेराव भी करेंगे

प्रतिबंध के बावजूद रेत का अवैध परिवहन, सात वाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ सक्ती

बरसात में प्रतिबंध होने के बावजूद रेत के अवैध परिवहन मामले में कार्रवाई करते हुए राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने सात वाहनों को जब्त किया है। थाना डभरा क्षेत्र के ग्राम उपनी एवं सकराली में अवैध रेत उत्खनन व परिवहन की शिकायत लगातार मिल रही थी। 8 सितंबर को सूचना मिली कि ग्राम उपनी एवं आसपास अवैध रेत परिवहन हो रहा है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव जिला एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी चंद्रपुर डभरा अंजलि गुप्ता के नेतृत्व में डभरा पुलिस टीम रवाना हुई। इस दौरान मौके पर 07 वाहन जांच में पकड़े गए, जिनमें रेत भरी हुई थी तथा रेत से पानी टपक रहा था। वाहन चालकों से वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु कहा गया, परंतु मौके पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। अवैध परिवहन में प्रयुक्त वाहनों पर विधिवत कार्यवाही की गई। अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन खनिज शाखा को प्रेषित किया गया।

जब्त वाहन।

बालिकाओं की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा व्यापक अभियान

जांजगीर-चांपा। बालिका सुरक्षा माह के तहत भारत में बालिकाओं के लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण की दिशा में उनकी सुरक्षा के विषय पर बालिकाओं की सुरक्षा, अधिकारों की रक्षा एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने हेतु जिले में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजेन्द्र सिंह जायसवाल ने बताया कि इसका उद्देश्य बालिकाओं की सुरक्षा, अधिकारों की रक्षा एवं उनके लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

कलेक्टर-एसपी ने किया उत्साहवर्धन

अग्निवीर की लिखित परीक्षा में चयनित युवाओं को दे रहे दक्षता प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा में जिले के 866 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की है। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा युवाओं को निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आगामी भर्ती रैली की तैयारी के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

मंगलवार 9 सितंबर को खोखरा पुलिस लाइन ग्राउंड पहुंचकर कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय पांडेय ने अग्निवीर परीक्षा में सफल हुए परीक्षार्थियों से मुलाकात की। युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यह अवसर केवल रोजगार का नहीं, बल्कि देश सेवा का मार्ग है। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि यह शुरुआत है, अंतिम पड़ाव तक पहुंचने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। जिले का नाम रोशन करने के साथ-साथ देश की सेवा करने का यह सुनहरा अवसर है। अग्निवीर भर्ती केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि देशभक्ति की भावना को जीवित रखने का मार्ग भी है। लिखित परीक्षा में सफलता के बाद अब आपको शारीरिक दक्षता परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक सुविधाएं व प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक श्री पांडेय ने कहा कि अग्निवीर भर्ती न केवल युवाओं को राष्ट्र सेवा का अवसर देती है। आज का युवा नशे जैसी प्रवृत्तियों की ओर बढ़ रहा है, किंतु आपने जो राह चुनी है, वह देश सेवा और आत्मसम्मान की राह है। आप सभी को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन मिलकर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देगा। टीमवर्क के साथ आप फिजिकल परीक्षा में भी सफलता प्राप्त करेंगे और जिले का मान बढ़ाएंगे। इस अवसर पर एडिशनल एसपी उमेश कश्यप, एसडीएम सुब्रत प्रधान, रक्षित निरीक्षक प्रदीप जोशी सहित अधिकारी कर्मचारी एवं मास्टर ट्रेनर भी मौजूद रहे।

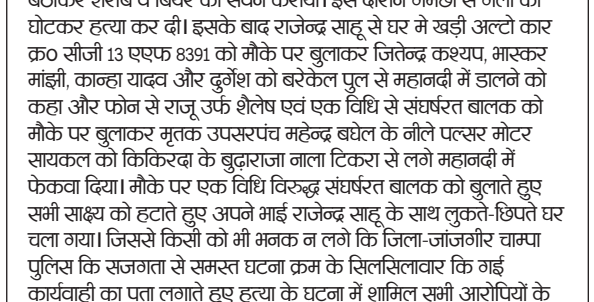

युवाओं को उत्साह वर्धन करते कलेक्टर एवं एसपी।

कोरकू, भील मुरिया, राजा मुरिया जनजाति में मृतक स्तंभ

परम्परा

डा. नीलिमा गुप्ता

बस्तर की जनजातियों में पाषाणयुगीन प्रागैतिहासिक मृतक संस्कारों की प्रथा आज भी देखी जाती है। कोरकू, भील मुरिया, राजा मुरिया, दंडाभी माड़िया, तथा अबूझमाड़िया जनजातियों में मृतक संस्कारों की यह परम्परा विद्यमान है। कोरकू जनजाति में व्यक्ति की मृत्यु होने पर काष्ठ निर्मित जिसे कोरकू मृतक स्तंभ मण्डा, मुण्डा, मण्डो अथवा गाथा पटिया कहा जाता है, जिसे सिडोली उत्सव आयोजित कर स्थापित करते हैं। पौष या माघ माह में घर के मुखिया तथा रिश्तेदारों सहित सुतार (लकड़ी) को तिलक लगाकर स्मृति चिन्ह उकेरने का कार्य आरंभ किया जाता है।

मण्डा दो प्रकार से बनाया जाता है। पहले प्रकार के

अनुसार चतुर्भुज आकार का स्तम्भ दो फीट चौड़ा तथा तीन चार फीट लंबा मोटे पटिया वाला होता है। इसके एक ही भाग पर पूर्वजों की आकृतियां मुख्य रूप से मृतक के प्रतीक स्वरूप आकृति उकेरी जाती है। दूसरी घुड़सवार की आकृति के ऊपर चंद्रमा - सूर्य बनाए जाते हैं। इन आकृतियों को बनाने की अवधारणा यह है कि व्यक्ति खुले हाथ आता है और खुले हाथ घोड़े पर सवार होकर चंद्रलोक होते हुए सूर्यलोक में जाता है। दूसरे प्रकार के लगभग पांच फीट लंबे, मोटे, चौरस स्तंभ का शीर्ष भाग मंदिर के समान होता है। इसके अग्र भाग में अधिकतर चांद सूरज तथा दाहिने भाग में गोदना गोदने वाले कलाकारों द्वारा मूंगा मूंगनी, पृष्ठ तथा बाएं भाग में पूर्वजों की प्रतीक आकृतियां उकेरी जाती हैं। स्तंभ का शेष भाग सुंदर बेल -बूटों, पशु - पक्षियों, भित्ति चित्रों, गोदना चित्रों तथा विविध ज्यामितीय आकृतियों से अलंकृत किया जाता है। वैरियर एल्विन के अनुसार ज्ञान स्मृति स्तंभों में कोरकू मण्डा श्रेष्ठ होते हैं।

ऐतिहासिक

डा. रामकुमार बेहार

छत्तीसगढ़ में आधुनिक युग का आरंभ

छत्तीसगढ़ में इतिहासकार आधुनिक युग का आरंभ 1741 ई. को मानते हैं। एक तर्क इस तथ्य पर आधारित है कि 1741ई में मराठा सेनापति भास्कर पंत ने रतनपुर के राजा रघुनाथ सिंह को परास्त किया। रघुनाथ सिंह जी को शासन से पृथक कर अपने व्यक्ति को शासन सूत्र का संचालक नियुक्त किया। इस समय बिंबाजी भोंसले रतनपुर पहुंचकर औपचारिक रूप से इस अंचल का शासन सूत्र संभालते हैं। उल्लेखनीय है कि बिंबाजी भोंसले ने पिता की मृत्यु के पश्चात अपने सेनापति पांडुरंग को छत्तीसगढ़ पर अधिकार करने के लिए भेजा, मगर पांडुरंग को सफलता नहीं मिली, पराजय व निराशा से वह वापस लौटा था। बिंबाजी स्वयं एक बड़ी सेना व अनुभवी सेना नायकों से आर पार की लड़ाई लड़ने आया था। इसी समय आधिपत्य वाले क्षेत्र में बीमार पड़ने के कारण मोहन सिंह की मृत्यु हो गई। आगे छत्तीसगढ़ पर मराठा आधिपत्य के मार्ग की बाधा दूर हुई। ऐसी स्थिति में मई 1757 ई से ही छत्तीसगढ़ के इतिहास का आधुनिक युग का आरंभ मानना अधिक उपयुक्त होता है।

लोक साहित्य

डा. कांति कुमार जैन

छत्तीसगढ़ के मध्य भाग की छत्तीसगढ़ी

छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग जिले में बोली जाने वाली छत्तीसगढ़ी मध्य भाग की छत्तीसगढ़ी कहलाती है। इसे भाषा शास्त्रियों ने परिनिष्ठित, केंद्रीय या साधु छत्तीसगढ़ी भी कहा जाता है। इसके भाषा क्षेत्र में रायगढ़ जिले का पश्चिम भाग, जांजगीर चांपा, कवर्धा, राजनांदगांव जिले के साथ छुईखदान, तथा उत्तरी कांकेर जिले के भू भाग आते हैं। छत्तीसगढ़ के इस भाषा स्वरूप को लेकर दो तरह के मत व्यक्त किए जाते हैं। एक वर्ग बिलासपुर रतनपुर की छत्तीसगढ़ी को मानक मानता है, तो दूसरा वर्ग रायपुर की छत्तीसगढ़ी को। रायपुरी और बिलासपुरी छत्तीसगढ़ी के बीच शिवनाथ नदी एक तरह से विभाजक रेखा का कार्य करती है। वस्तुतः बिलासपुरी और रायपुरी छत्तीसगढ़ी में कोई मौलिक अंतर नहीं है। इनमें कतिपय परसर्गों, धातुओं और शब्दों के प्रयोग एवं अर्थ में अंतर दिखता है। रायपुर की छत्तीसगढ़ी में आदर्श रूपों में धातु के साथ ' अव' तथा बिलासपुरी में ' आ ' का प्रयोग होता है। परसर्गों में भी कर्मकारक को लेकर अंतर है। रायपुरी में ' ला ' का और बिलासपुरी में उसके स्थान पर ' का ' का प्रयोग किया जाता है। दोनों रूपों में संज्ञा पदो, सर्वनाम में भी किंचित अंतर दिखाई देता है। यह भी सत्य है कि रतनपुर छत्तीसगढ़ की प्राचीन राजधानी होने के कारण उसके रूप को पूर्व में परिणिष्ठित माना जाता था। किन्तु लंबे समय से रायपुर छत्तीसगढ़ का केन्द्र है। प्रचार प्रसार एवं प्रशासन की केंद्रीयता के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ी के आधुनिक रूप की निमित्त में रायपुर की अधिक भूमिका रही है। एतदर्थ, रायपुर छत्तीसगढ़ी को मानक मान लेने के आग्रह में औचित्य प्रतीत होता है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

परब विशेष

डा. पीसीलाल यादव

पूर्वजों के प्रति श्रद्धा भाव प्रकट करते हैं पितर पाख में

छत्तीसगढ़ में धार्मिक रीति रिवाजों और परम्परा को मनाने की संस्कृति सदियों से चली आ रही है। अपने पूर्वजों को श्राद्ध तर्पण देने का ऐसा ही पर्व है - पितर पाख। यह क्वार कृष्ण पक्ष एकम से प्रारंभ होता है। इसमें पंद्रह दिनों तक पितरों को पिंड दान और तिल सहित जल का तर्पण दिया जाता है। प्रथम दिवस पितर बइसकी कहलाता है।

पितृ पक्ष लगते ही महिलाएं ओरवाती को गोबर से लिपती हैं। चौक पूर कर फूल चढ़ाती हैं। पितर को तर्पण देने वाला व्यक्ति जल तर्पण के समय दूब, कुश, तरोई पान, उड़द दाल व चावल का उपयोग कर पितरों को स्मरण करता है। पुरुष पितर जिस तिथि को दिवंगत होते हैं, उसी तिथि को उन्हें तर्पण दिया जाता है। नवमी के दिन माताओं को, पंचमी के दिन बच्चों व कुंवारों को तथा अकाल मृत्यु प्राप्त पितरों को चतुर्दशी को तर्पण दिया जाता है।

इन दिनों बरा, सोहारी, खीर आदि व्यंजन बना कर पितरों को चढ़ाया जाता है फिर परिवार जनों व इष्ट मित्रों को निमंत्रित किया

जाता है। पितृ पक्ष में दान का बड़ा महत्व है। अतः ब्राह्मणों व भांजा भांजियों को राशि, अन्न आदि दान में दिया जाता है। पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता, आदर, श्रद्धा का भाव जगाने वाला यह पर्व पितृ ऋण से ऊऋण होने की प्रेरणा देता है।

गांव की कहानी : टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

लद्दी से लब्दी और लब्दी से हुआ गांव गब्दी

छत्तीसगढ़ के बालोद जिला मुख्यालय के दक्षिण दिशा में लगभग बयालीस किमी की दूरी पर बसे गांव गब्दी के स्थापत्य काल अट्ठारहवीं शताब्दी है। इस समय दक्षिण कोसल छत्तीसगढ़ के दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत गुंडरदेही रियासत में रायवंश के जमींदारी थी। रियासत नगरी से सोलह किमी दूरी पर ही गब्दी गांव बसा है। ग्राम पटेल व सेवानिवृत्त शिक्षक पी आर खरांशु के जनश्रुति के मुताबिक कुछ अनाज व्यापारी बैलगाड़ी से कहीं जा रहे थे। शाम होने पर रात्रि-विश्राम के लिए रुके। तभी उन्हें बबूल के झुरमुट से कीचड़ से सना एक भैंसा दिखाई दिया। करीब जाकर देखा तो पता चला कि वहां पर एक छोटा पोखर है। पोखर में पानी कम और लद्दी अर्थात कीचड़ अधिक था। व्यापारियों ने वहीं पर रात बिताई। इस तरह उन व्यापारियों का उसी रास्ते से आना-जाना चलता रहा। जब भी पोखर में पर्याप्त पानी रहता था, वे रात बिताते थे। धीरे-धीरे व्यापारी उस विश्राम स्थल पर बसने लग गए। एक बस्ती बन गई। बस्ती का नाम लद्दी रखा गया। लद्दी से लब्दी हुआ। समय के साथ लब्दी गांव ही गब्दी

कहलाया। वो छोटा सा पोखर आज बांधा देव तालाब कहलाता है। तालाब के शीतला माता मंदिर में क्वाँर नवरात्र को ज्योत-जँवारा व ज्योत-कलश की स्थापना अंचल में प्रसिद्ध है।कालांतर में अर्जुन कोष्टा गाँव के पहले जमींदार हुए। अटल कोष्टा, भरत कोष्टा, रामलाल, बिंझवार हल्बा, सुकलाल मुकरदम,अभय राम कलार, फकीर खरांशु, चुरामन लाल राव गुरुजी गाँव के नामी व्यक्ति हुए। हीरालाल कोष्टा गांव के पहले सरपंच हुए। इस क्षेत्र में गाँव गब्दी से ही संगीतमय रामायण प्रतियोगिता की शुरुआत हुई, जो अनवरत जारी है। ग्राम गब्दी में मंजे हुए लोक कलाकार भी हुए। आज यह गांव शिक्षा के साथ जागरूक गांव होने के साथ विकास के नए नए आयाम गढ़ रहा है।

सुरता

आशा झा

आंचलिक कला और साहित्य को समृद्ध करने में काफी योगदान रहा दानेश्वर शर्मा का

छत्तीसगढ़ अंचल के दुर्ग जिले के धमधा मार्ग में स्थित ग्राम मेड़ेसरा के निवासी रहे प. दानेश्वर शर्मा जी अपने जीवन को लोककला और साहित्य को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित कर दिए। आप भिलाई इस्पात संयंत्र में अधिकारी के रुप में अपनी सेवाएं दी। भिलाई इस्पात संयंत्र में 5 दिवसीय लोक कला महोत्सव की शुरुआत आपने की थी। इस भव्य मंच के माध्यम से आपने आंचलिक कलाकारों को भिलाई इस्पात संयंत्र के लोक कला महोत्सव में स्थान देकर उन्हें ऊंचाई प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया। इसका सुखद परिणाम यह हुआ कि आपकी प्रेरणा से राज्य और देश में कई कलाकार अपनी कला का आज जादू बिखेर रहे हैं। इनमें पद्म

विभूषित तीजन बाई, देवदास बंजारे, ऋतु वर्मा, खुमान लाल साव जी जैसे अनेक विधा के कलाकार अंचल की लोक कला को देश विदेश में पहुंचाए। आप स्वयं एक साहित्यकार रहे तथा आपके द्वारा लिखित कई कालजई गीत आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से प्रसारित होते रहते हैं। कई पुस्तकों का प्रकाशन आपका हुआ है, तथा श्रीमद भागवत गीता का छत्तीसगढ़ी में आपने अनुवाद किया है। आप छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। आपने अमेरिका के न्यूयार्क में 2007 को आठवीं विश्व हिन्दी सम्मेलन में सम्मिलित हुए। श्रीमद भागवत पुराण के अच्छे कथा वाचक के रुप में भी आप जाने गए। छत्तीसगढ़ी फिल्मों में भी आपके गीतों को शामिल किया गया है।

कला जगतः डा. निशा शर्मा

मध्य काल में भी प्रभावी रहा ददरिया

हमारे ग्रामीण अंचल में बैलगाड़ी आवागमन का महत्वपूर्ण साधन रहा है। अक्सर देखने में आता है कि ग्रामीण अपने बेलों को विभिन्न रंगों में सजाता संवारता है। ऐसी सजे संवरे बैलगाड़ी में अगर कोई ग्रामीण बाला चढ़ने को उत्सुक है तो वह दिलवाली होगी। श्रृंगारिक भावनाओं का परिचय मनुज प्रवृत्ति एवं व्यवहार से प्रदर्शित हो जाती है। अंचल विशेष की स्पष्ट छवि मन में अंकित हो जाती है। मध्य काल की लोक गाथाओं में तंत्र मंत्र का मायाजाल विद्यमान है। इसका प्रभाव ददरिया में भी है -

गाड़ी मा डारों गोबर खरसी।
थोपे डारो मोहनी जबरदस्ती।

मध्य काल में नाथ सिद्ध परम्परा का प्रचलन हुआ। उसी के समानांतर यहां भी जंगलीय जीवन में बैगा, जादू टोना ,

तंत्र मंत्र का प्रभाव पनपा। गौड़ जाति की एक शाखा बैगा, सम्मोहन, उच्चाटन आदि तंत्र मंत्र एवं जड़ीबूटियों का प्रयोग देखने को मिला।

कुछ लोग जो इस अंचल के दूर के वासी हैं, उनकी धारणा बन गई कि छत्तीसगढ़ में पुरुष ही नहीं, स्त्रियां भी जादू, तंत्र मंत्र, टोना टोटका जानती हैं और बाहर से आए लोगों को सम्मोहित कर लेती हैं। सम्मोहन की कला में यहां की स्त्रियां पारंगत थीं, यहां की लोक गाथाओं और ददरिया में भी यह स्पष्ट झलकता है।लगभग यह संस्कृति अब समाप्त हो चुकी है।

रीतिकाल में रचनाकार, नायक एवं नायिकाएं, कृष्ण एवं राधिका में प्रत्यारोपण करके श्रृंगारिक भावनाओं को प्रतिबिंबित करते रहे। इसका प्रभाव ददरिया में भी पड़ा है -

आमा लगाए ओरी के ओरी।
एमा रेंगे कन्हैया जांवर जोड़ी।

रहस्यात्मक अध्यात्म को भी चित्रित एवं विशिष्ट ढंग से समझना ददरिया कि मौलिकता है। आधे स्वर्ग में दुनिया की जो स्थिति है उसे देखें इस ददरिया में -

आधा सरग में उड़ेला मरही।
पांच नाम ला सुमर ले तोर चोला तरही।

खबर संक्षेप

पार्टी की नीति से प्रभावित होकर दर्जनों युवकों ने थामा कांग्रेस का दामन

जांजगीर-चाम्पा। जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर-चाम्पा की विस्तारित बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त जिला प्रभारी आशीष सिंह ठाकुर एवं जांजगीर-चाम्पा विधायक ब्यास कश्यप तथा जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर-चांपा के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैगवार की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी की नीति से प्रभावित होकर जांजगीर नगर के युवा नेता लाला राठौर ने कांग्रेस पार्टी में प्रवेश लिया। लाला राठौर के साथ शिव शंकर टंडन, दिनेश सिरमौर, कुंभ सारथी, गोलू सारथी, रवि यादव, विकी पैगवार, ईश्वर साहू, अजित राठौर ने भी कांग्रेस का गमछा पहन कांग्रेस प्रवेश किया। विदित हो कि अकलतरा रोड जांजगीर स्थित होटल हरियाली हेरीटेज में 7 सितंबर रविवार को संगठन सृजन अभियान के तहत मंडल एवं सेक्टर पुनर्गठन कार्य की समीक्षा एवं 9 सितंबर को बिलासपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित वोट चोर, गद्दी छोड़ रैली की तैयारी के लिये बैठक आयोजित किया गया था। बैठक में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दिनेश शर्मा, जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सदस्य लोकेश राठौर, नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला के नेता प्रतिपक्ष प्रिंस शर्मा, महिला कांग्रेस कमेटी से श्रीमती सीमा शर्मा सहित पार्टी के कार्यकर्तागण विशेष रूप से मौजूद रहे।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष का चांपा आगमन पर स्वागत

चांपा। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव, प्रदेश संगठन मंत्री टी पी सिंह,बिलासपुर संभाग के संभागीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद कश्यप के जिला सक्ति एवम कोरबा प्रवास के दौरान जांजगीर चांपा के पेंशनरों ने जिला शाखा जांजगीर चांपा के अध्यक्ष परमेश्वर स्वर्णकार के नेतृत्व में भव्य स्वागत, अभिनंदन किया। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के दूसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने के पश्चात प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव जी संगठनात्मक गतिविधियों को दुरुस्त करने ,पेंशनरों की समस्याओं को जानने ,पेंशनरों की समस्याओं का समाधान करने हेतु प्रदेश के विभिन्न जिलों का निरंतर प्रवास कर रहे हैं। इसी क्रम में 7 सितंबर को जिला सक्ति, 8 सितंबर को कोरबा जिला में पेंशनरों की बैठक लेकर वन टू वन चर्चा किया। रेलवे स्टेशन चांपा में प्रांताध्यक्ष का स्वागत करने वाले पेंशनर साथियों में परमेश्वर स्वर्णकार , मनहरण सिंह राजपूत,हेमंत कुमार सोनी,राम सेवक सोनी,छोटे लाल देवांगन, प्रभाकर देवांगन,बसंत कुमार पाण्डेय,नैन सिंह क्षत्री ,देवकुमार देवांगन,राम कुमार सोनी, राजेन्द्र कुमार कश्यप, शान्ति लाल सोनी शामिल थे।

राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया गुरू की महिमा

अकलतरा। शासकीय प्राथमिक विद्यालय सोनादुला संकुल सांकर (अकलतरा) में बच्चों के द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षक दिवस के संबंध में शिक्षकों के द्वारा द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए गुरू की महिमा /कार्य पर प्रकाश डाला गया। बच्चों को भी एक शिक्षक के प्रति कर्तव्य पराण्यता का बोध को रेखांकित किया गया। बच्चों में प्रताप ने प्रधान पाठक नरेन्द्र डहरिया का, कुमारी रीना ने श्री मरकाम का कुमारी आशी ने कांति डहरिया का तथा कुमारी सौम्या ने मिनाक्षी तिवारी का सम्मान किया। अंत में बच्चों ने सभी शिक्षकों को सम्मान भेंट किया।

बिर्रा के आचार्य चाणक्य सभागार में सेवानिवृत्त शिक्षकों का किया गया सम्मान

शिक्षक के बिना सभ्य समाज की नहीं की जा सकती परिकल्पना : जयपुरिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिर्रा

एक शिक्षक समाज के लिए कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होते हैं। शिक्षक के बिना सभ्य समाज का परिकल्पना नहीं किया जा सकता है। उक्त बातें प्रबुद्ध भारती बिर्रा, जिला जांजगीर चांपा के तत्वाधान में रविवार 7 को आयोजित आचार्य चाणक्य सभागार बिर्रा में शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम में जिला पंचायत शिक्षा स्थायी समिति के अध्यक्ष एवं जिला पंचायत जांजगीर चांपा के जिला उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया सभापति ने मुख्य अतिथि की आंसदी से विशाल शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही।

सम्मान समारोह में शामिल शिक्षक।

जिला पंचायत जांजगीर चांपा के शिक्षा स्थायी समिति अध्यक्ष गगन जयपुरिया ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि शिक्षक वह व्यक्ति होता है जो ज्ञान कौशल और गुणों को प्रदान करके दूसरो को सीखने में मदद करता है। इसके साथ ही यह एक ऐसा व्यक्ति है जिसका पेशा दूसरो को विशेषकर बच्चों को सिखाना होता है। शिक्षक ज्ञान का प्रसार प्रचार करता है। शिक्षक अपने शिष्य या समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। इसके साथ ही शिक्षक समाज में दीपक की तरह प्रज्वलित होकर समाज को प्रकाशमान बनाता है। सही गलत का मार्ग दिखाता है और शिष्य के भविष्य को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक या गुरु का कर्ज समाज कभी भी उतार नहीं सकता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में भागवत वक्ता पंडित गीता प्रसाद तिवारी ने कहा कि शिक्षक मार्गदर्शन होता है। समाज को दिशा एवं दशा निर्धारण करने का कर्तव्य शिक्षक का ही होता है। उसके गोद में प्रलय और सृजन दोनों खेलते हैं। समाज में गुरु का सर्वोच्च महत्व है उन्होंने गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ बताएं। वही कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि हरिराम जायसवाल ने बताया कि शिक्षक का जीवन समय पर बंधा होता है। जयसवाल ने शिक्षक के महत्व पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। इसके साथ ही शिक्षकों के पीड़ा के बारे में समाज और उपस्थित लोगों को बताया। प्रबुद्ध भारती ग्राम बिर्रा के सम्मान समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता एफ एल साहू प्रभारी प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एफ एल साहू ने कहा कि शिक्षक एक आदर्श होता है। जो अपने गुणों के कारण पूजे जाते हैं। इस प्रकार से सम्मान कार्यक्रम समाज के द्वारा होते रहना चाहिए। भारती ग्राम बिर्रा जिला जांजगीर चांपा के पदाधिकारी बुद्धेश्वर प्रसाद कश्यप, तुलेश्वर देवांगन,मनीष वैष्णव और पीतांबर कश्यप आदि के द्वारा सभी अतिथियों का फूल माला एवं श्रीफल से स्वागत किया गया। तत्पश्चात तत्कालीन प्रधान पाठक स्व एफ एल त्रिवेदी का शिक्षक एल आर कश्यप को, तत्कालीन बीईओ मनीराम कुम्भकार का सम्मान महाराम कश्यप शिक्षक को, स्व शिक्षक बाबूलाल देवांगन का सम्मान रामशंकर कश्यप को, टी के दुबे का सम्मान डी एन देवांगन को श्रीफल शाल मेमोटो गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। विशिष्ट योग्यता का सम्मान प्राचार्य खीकराम कश्यप गुरु घासीदास संगीत महाविद्यालय हसौद, संगीत गुरु श्रवण कुमार थवाईत, नवाचार शिक्षक अरुण कुमार देवांगन भटगांव, शिक्षा विशेष योग्यता बुद्धेश्वर कश्यप को श्रीफल शाल मेमोटो गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया।

अतिथि के साथ उपस्थित छात्र छात्राएं।

जिला स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता में सेजेस सारागांव प्रथम व नवागढ़ द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर-चांपा

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर आयोजित जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण व समन्वयक तथा निर्णायकों का सम्मान 5 सितम्बर को किया गया। कलेक्टर जन्मेजय महोबे और जिला शिक्षा अधिकारी ए.के. भारद्वाज ने विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और नगद पुरस्कार प्रदान किया। पूर्व सांसद श्रीमती कमला पाटले, पूर्व संसदीय सचिव अंबेश जांगड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरियापूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप मंचस्थ रहे जिन्होंने बच्चों की सराहना की। बताते चलें कि से राज्य स्तर तक छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरुक करने के लिए ये प्रतियोगिता हाई स्कूल हायर सेकेण्डरी स्तर से पांच चरणों में 15 अगस्त से 13 सितंबर तक आयोजित की जा रही है । जिला स्तरीय आयोजन के जिला समन्वयक दीपक कुमार यादव ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता 30 अगस्त संपन्न हुई। जिनके विजेताओं को 5 सितम्बर को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त दल 8 सितम्बर को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में देवकीनंदन दीक्षित सभागार लाल बहादुर शास्त्री स्कूल बिलासपुर में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिला स्तरीय स्पर्धा में विकासखंड बम्हनीडीह से सेजेस सारागांव की रीमा पटेल के दल ने प्रथम स्थान हासिल किया। टीम में अवनी राठौर, दीपिका सिंह राठौर, तनु साहू, अंशिका बरेठ, अक्षय राठौर, आशा बरेठ, शिवाशीष मिश्रा, प्रीति चन्द्रा, अमर देवांगन शाउमावि भोजपुर शामिल थे। द्वितीय स्थान पर विकासखंड नवागढ़ की टीम रही। जिन्हें 5000 रुपये की राशि प्रदान की गई। टीम में सेजेस क्रमांक 2 जांजगीर की प्रियंका बर्मन, आंचल दिनकर, जागृति शर्मा, पीएम श्री सेजेस क्र 1 जांजगीर से उद्धव जायसवाल, दुर्गेश्वरी, नागेश सोनवान, भूपति राय, हुलेश्वर साहू, वर्धमान श्रीवास, शा उमावि बनारी से संतोषी धीवर शामिल है। तृतीय स्थान में विकासखंड बलौदा व अकलतरा की टीम रही। जिन्हें 3000 रुपये की राशि से सम्मानित किया गया। टीम में शाकउमावि बलौदा के सरिता गौतम, बॉबी खांडे, विद्या टंडन, माधुरी पटेल, यशस्वी कुमारी श्रीवास, योगिता देवांगन, लक्ष्मींन यादव, सेजेस अकलतरा से प्रगति सिंह, शाउमावि मड़वा से अनुराज साहू, प्रभु साहू शामिल थे। सांत्वना पुरस्कार पांच टीमों को प्रदान किया गया। जिला स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र छात्राएं शामिल हुए। इस दौरान अतिथियों द्वारा उन्हें प्रशस्त्रि पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कन्नौजिया कुर्मी समाज की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा

शिवरीनारायण। कनौजिया कुर्मी युवा संगठन एकता मंच एवं एकता संघ के संयुक्त तत्वावधान में कनौजिया कुर्मी धर्मशाला, शिवरीनारायण में अति विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में सभी पूर्व पदाधिकारी, वर्तमान पदाधिकारी एवं समाज के सदस्यों की उपस्थिति रही कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र कश्यप ने की तथा विशेष अतिथि के रूप में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष नवागढ़ घासी राम कश्यप एकता मंच अध्यक्ष संतोष कश्यप संघ अध्यक्ष दीपक कश्यप उपस्थित रहे। बैठक में समाज की उन्नति, एकता और सकारात्मक सोच पर चर्चा हुई। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में समाज के सभी शिक्षकों का प्रेरणा सम्मान पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। निर्वाचित सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, पार्षद एवं नगर पंचायत अध्यक्ष उपस्थित थे। अंत में समाज की मजबूती और प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने एवं इस प्रकार के आयोजनों को लगातार जारी रखने का संकल्प लिया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे विष्णु अवतार कश्यप अंगद कश्यप श्याम कश्यप शत्रुघ्न कश्यप राम गोपाल वर्मा योगेश कश्यप जयप्रकाश कश्यप दीपक वर्मा योगेश कुमार कश्यप, प्रजापति कश्यप राजेश कौशिक मनमोहन कश्यप दिलेश्वर कौशिक लक्ष्मीकांत कश्यप गजानन कश्यप महेंद्र सागर रामेश्वर कश्यप, ज्योति कुमार कश्यप रामकृष्ण कश्यप शिव कश्यप महे, संतोष कुमार कश्यप विष्णु कुमार आदि उपस्थित थे।

दो अलग अलग प्रकरणों में 19 लीटर शराब के 2 आरोपी गिरफ्तार

मालखरौदा। दो अलग अलग मामलों में 19 लीटर शराब के साथ दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 8 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि मालखरौदा में आरोपी सेवक राम लहरे के द्वारा 7 लिटर अवैध कच्ची मऊहा शराब एवं सुरेश कुमार खूंटे के द्वारा 12 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 1200 रुपए को घर आंगन में जब्त किया गया है। जिसे गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

शिक्षक समाज को उन्नति के मार्ग पर ले जाता है

चांपा। एलिगेंट पब्लिक स्कूल चांपा में शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल के ट्रस्टी विवेक शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म में शिक्षक को भगवान तुल्य माना गया है। इसलिए शिक्षकों को अपनी गरिमा का ख्याल रखते हुए शिक्षकीय कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजन के साथ किया गया। ट्रस्टी नागेंद्र गुप्ता ने कहा कि छात्र अच्छे शिक्षकों को जिंदगी भर याद रखते है। शिक्षकों पर समाज को सही दिशा देने के दायित्व होता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील साधवानी ने कहा कि शिक्षा की अलख जगाना पूजनीय कार्य है। हमारे मित्र वही कार्य कर रहे है। उन्होंने शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को स्कूल के प्राचार्य विश्वजीत रथ एवं ट्रस्टी विक्की मनवानी, प्रकाश अग्रवाल, अनिल सोनी, अंशुल रंजन श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। प्राचार्य विश्वजीत रथ, श्रीमती रजनी तिवारी, श्रीमती सारिका अग्रवाल, श्रीमती सुनीता बरेठ, श्रीमती चंद्रिका साहू, श्रीमती सोनाली शाह, शिवम सोनी, कु. मनीषा पटेल, कु. ज्योति शर्मा, कु. ज्योति सोनी, कु. अंतरा कर्ष, कु. अंजली कैवर्त , कु. प्रगति पाण्डेय, कु. भूमिका पटेल , कु. स्वेता साहू , श्रीमती रजनी खैरवार , नारायण भैय्या , संतोषी दीदी , ऋषि दीदी , चंचल दीदी सहित स्कूल स्टॉफ उपस्थित थे। नौनिहालों ने इस अवसर अपने प्रिय शिक्षकों के लिए किया गया। विद्यार्थियों के द्वारा गुरुवंदना के साथ कविता, गीत, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

छात्राओं को सम्मानित करते अतिथि।

गुरू के मार्गदर्शन से जीवन में आगे बढ़ने की मिलती है सीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अकलतरा

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं छात्र-छात्राओं के सहयोग से श्री ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय बनाहिल में शिक्षक दिवस₹ एवं छत्तीसगढ़ की रजत जयंती महोत्सव का आयोजन ऑडिटोरियम कक्ष में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय के संचालक प्राचार्य एवं समस्त प्राध्यापकगणों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। आयुषी साहू और वांशिका गोस्वामी ने शिक्षकों के महत्व को समझाया और बताया कि कैसे गुरु हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संचालक डॉ. जे के जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रथम गुरु मां होती है जो हमें जीवन के प्रारंभिक चरण में शिक्षा और संस्कार प्रदान करती है, आगे उन्होंने कहा कि गुरु के मार्गदर्शन और समर्थन हमें जीवन में आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.शिखा सिंह एवं आईटीआई के प्राचार्य नवीन आदित्य ने बताया कि गुरु हमें न केवल शैक्षिक ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि हमें जीवन के सही रास्ते पर चलने के लिए भी मार्गदर्शन करते हैं। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार प्रदर्शन छात्र सत्यम राठौर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रतिमा रानी द्विवेदी, ओमप्रकाश सोनी, संजीव चौहान,श्वेता सिंह चंदेल, संध्या सिंह, कमलकांत साहू,नवीन आदित्य, प्रभात कश्यप, नागेंद्र कुमार जांगड़े, राहुल राठौर,अर्जुन दास मोहले,संजना भास्कर,सोनम साहू,प्रिया खरे,श्रद्धा राठौर,सरिता एवं छात्र छात्राओ के साथ साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी ने नशामुक्ति के लिए लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अकलतरा

ग्राम पकरिया में जनसंवाद कार्यक्रम में थाना प्रभारी ने ग्रामवासियों को नशा से होने वाले दुष्परिणामों, पारिवारिक व सामाजिक विवादों तथा आर्थिक नुकसान के बारे में जागरूक किया। उन्होंने नशे की लत से उत्पन्न होने वाली समस्याओं और कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी।

थाना प्रभारी भास्कर शर्मा ने अपने परिवार को नशे से दूर रखें, ताकि एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण हो सके। उन्होंने कहा कि महिलाओं को एकजुट होकर आगे आना होगा तभी एक नशा जैसे गंभीर बीमारी को हराया जा सकता है। जनपद सदस्य ईश्वर

साहू ने कहा, ₹यदि हम अपने घर और परिवार को नशामुक्त कर लें, तो समाज में बड़ा सुधार संभव है।₹ क्षेत्र को नशा मुक्त करने हम सभी को आगे आने की आवश्यकता है, नशा के कारण ही वर्तमान में आपराधिक मामले बढ़ रहे हैं। ग्राम की सरपंच श्रीमती गीता सिंह ने भी ग्रामवासियों को गाँव को नशा मुक्त करने की शपथ दिलाई।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर (तहसील अकलतरा एवं बलौदा), जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक/Q/रीडर/ अ.पि.व./2025
अकलतरा, दिनांक 02/09/2025

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी रा.जांजगीर (अकलतरा एवं बलौदा) में आवेदक मेसर्स अलकतरा वेंचर्स प्रो.सतीश अग्रवाल पिता/पति लखन लाल अग्रवाल ग्राम सिंधी कॉलोनी चांपा, तहसील चांपा के द्वारा ग्राम तरौद, तहसील अकलतरा में स्थित भूमि खसरा नं.15002, रकबा 22.64 एकड़ को आवासीय मद में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो दिनाँक 12/09/2025 को समय 10:00 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकते है। उपरोक्त तिथि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 02/09/2025 को मेरे न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर
(तहसील अकलतरा एवं बलौदा)

न्यायालय तहसीलदार, जांजगीर, जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रं.3325/तह./वा.-1-2025
जांजगीर, दिनांक 02/09/25
रा.प्र. क्रं. 202509060700013/अ-27/2024-25, ग्राम खोखरा

प्रति, 01. जितेन्द्र कुमार 30 वर्ष 02. अमित कुमार उम्र 26 वर्ष पिसरान हरप्रसाद सभी जाति सूर्यवंशी निवासी जांजगीर थाना व तहसील जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा.प्र.क्र. 202509060700013/अ-6/2024-25 में पक्षकार जितेंन्द्र कुमार एवं अमित कुमार बनाम छ.ग.शासन तहसील जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) प.ह.नं. 18 स्थित भूमि खसरा नंबर 50 कुल रकबा 0.3160 हेक्टे./एकड भूमि को वासीयतनामा के आधार पर वासीयतग्राहित के नाम पर किये जाने हेतु न्यायालय में प्रकरण लंबित है।

अतः आप उक्त प्रकरण में नियत सुनवाई दिनांक 22/09/25 को उपस्थित होंवें। अन्यथा आपके विरूध्द एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज 09/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार
जांजगीर

// ईश्तहार / नाम परिवर्तन //

मैं श्रीमती श्रद्धा देवांगन अधिवक्ता बलौदा अपने आसामी श्री बलराम कश्यप पिता राधेश्याम कश्यप निवासी जमड़ी तह. जैजैपुर जिला जांजगीर-चांपा छ.ग. से अधिकृत होकर निम्न अनुक्रम ईश्तहार / नाम परिवर्तन हेतू प्रकाशन कर रही हूं।

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि बलराम कश्यप पिता राधेश्याम कश्यप निवासी जमड़ी तह. जैजैपुर जिला जांजगीर-चांपा छ.ग. के कक्षा दसवीं एवं बारहवी के अंकसूची में पिता का नाम राधेश्याम व माता का नाम प्रेम बाई दर्ज हो गया है। जबकि अन्य सभी दस्तावेजों में इनके पिता का नाम राधेश्याम कश्यप व माता का नाम प्रेम बाई कश्यप दर्ज है। भविष्य में इनके पिता को राधेश्याम कश्यप एवं माता को प्रेम बाई कश्यप के नाम से जाना, समझा व पढ़ा जावे।

श्रीमती श्रद्धा देवांगन
अधिवक्ता, तहः बलौदा
जिलाः जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
मो. नं. 9098916101

TOP IN JANJGIR

जिले में 55 बिस्तरों का
राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
जांजगीर-चाँपा, शक्ति, कोरबा जिले तथा बिलासपुर संभाग के प्रथम एवं एकमात्र बाल्य गहन चिकित्सा विशेषज्ञ
शिशु एवं बाल्यरोग विभाग
- 0-17 वर्ष तक के बच्चों का आयुष्मान भारत योजना तथा अन्य बीमा कम्पनियो के तहत निःशुल्क इलाज की सुविधा।
- बच्चों से सम्बन्धी सभी सामान्य एवं गंभीर बिमारियों का इलाज, एवं उनका ऑपरेशन
- बच्चों के सभी इमरजेंसी सुविधाएँ जैसे :- आकस्मिक दुर्घटना, जहर खुरानी, सर की चोंट, बिच्छू एवं सर्पदंश, हृदयघात, छाती में भारीपन, गंभीर संक्रमण(इन्फेक्शन), साँस का फूलना, डेंगू, झटके आना , नवजात का गन्दा पानी पी लेना, मलेरिया, इत्यादि।
डॉ. दिलीप जैन
M.B.B.S, D.N.B, I.D.P.C.C.M
पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी-7999640661

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
जांजगीर-चाँपा, शक्ति तथा कोरबा जिले के प्रथम एवं एकमात्र यूरोलॉजी (मूत्र एवं किडनी रोग) विशेषज्ञ
यूरोलॉजी विभाग(मूत्र एवं किडनी रोग)
- किडनी, मूत्रनली एवं पेशाब के थैली में पथरी(PCNL, URSL, SPCL, PCCL, RIRS)
- गुर्दा एवं पेशाब की थैली का कैंसर, प्रोस्टेट का बढ़ जाना(TURP),
- पेशाब का बार बार आना व कन्ट्रोल न होना,
- पेशाब में खून व मवाद आना व जलन होना, पेशाब में रूकावट व जलन,
- महिलाओं में खांसने व छींकने से पेशाब लिक होना,
- किडनी रोग का सम्पूर्ण ईलाज, पेशाब की नली में सिकुड़न व पतली धार होना,
- पुरुष नपुंसकता व बाँझपन, ए.वी.फिस्टुला ऑपरेशन (डायलिसिस हेतु)
- अत्याधुनिक दूरबीन, लेज़र से पथरी व प्रोस्टेट का ऑपरेशन (बिना चिर फाड़ के)
- कैंसर (गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली व टेस्टिस के कैंसर का ऑपरेशन,
दूरबीन पद्धति से मूत्ररोग के सभी बिमारियों का ईलाज एवं ऑपरेशन
जिले के प्रथम एवं एकमात्र यूरोलॉजिस्ट
डॉ. प्रदीप जैन
MBBS, MS, MCh, DrNB
Urology Mumbai
Urologist, Andrologist & Renal Transplant Surgeon

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
नेत्र रोग विभाग
- आधुनिक कम्प्यूटरों द्वारा आँखों की जाँच
- बिना इंजेक्शन, बिना टाँके, अत्याधुनिक मोतियाबिंद ऑपरेशन
- गरीज के लिए लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
- आँखों के मांस / जाली का ऑपरेशन
- डायबिटिज मरीजों के रेटिना की जाँच की सुविधा
- नासूर का ऑपरेशन, नकली आँख लगाने की सुविधा
- कांच बिंदु का ईलाज एवं ऑपरेशन
- चश्में की जांच, काले मोतिया की जांच
- आँखों में लालीपन, जलन एवं पुतली के रोगों की जांच
डॉ. संजीता जैन
MBBS, MS, FPRS
OPHTHALMOLOGIST
PHACO & LASIK SPECIALIST
नेत्र रोग विशेषज्ञ

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
दन्त रोग विभाग
जिले की प्रथम एवं एकमात्र ऑर्थोडॉंटिस्ट
- दाँतों की नसों का ईलाज(Root Canal Treatment- RCT), दर्द रहित दांत निकालना,
- टेढ़े-मेढ़े व बाहर निकले दाँतों एवं जबड़ों का ईलाज(BRACES),
- हड्डी में फिक्स होने वाली बत्तीसी(IMPLANT), एवं निकालने-लगाने वाली बत्तीसी(DENTURES)
- आधुनिक मशीनों द्वारा दाँतों की सफाई, एवं कृत्रिम दाँत लगाना, लेज़र द्वारा दाँतों में मसाला भरना,
- मुँह न खुलने व कम खुलने का ईलाज, मुँह के छालों का ईलाज(OSMF)
- दाँतों का एक्स-रे, दाँतों की ब्लीचिंग एवं व्हाइटनिंग
- बड़ो एवं बच्चों के दांतो से सम्बंधित सभी प्रकार के समस्याओं का इलाज
डॉ. सुमिता जैन

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
हड्डी रोग एवं ट्रॉमा विभाग
- एक्सीडेंटल व ट्रॉमा का ईलाज , घुटने और कुल्हे की सर्जरी व प्रत्यारोपण
- हड्डी टूटने की सर्जरी , पैर और पैर की उँगलियों की सर्जरी
- सल्य विधि से स्कोलियोसिस का सर्जरी
- शोल्डर और बाजू की सर्जरी
- कमर दर्द , साइटिका एवं आर्थराइटिस का ईलाज
- गठिया, हड्डी रोग का सम्पूर्ण ईलाज, बच्चों के समस्त हड्डी रोग का ईलाज
- हड्डियों से सम्बंधित सभी ऑपरेशन एवं जटिल ऑपरेशन का ईलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क
आयुष्मान भारत योजना
15 किलोमीटर तक एम्बुलेंस सुविधा मुफ्त भर्ती मरीज हेतु

राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
जनरल सर्जरी विभाग
- पेट से सम्बंधित सारी बिमारियों का इलाज, अपेंडिक्स, गैलब्लैडर ऑपरेशन, हाइड्रोसील, बवासीर(पाईल्स),
- फिस्टुला, फिशर, आंतो की रूकावट, हार्निया ऑपरेशन, आंत-गुदा सम्बंधी ऑपरेशन,
- आंतों का फटना, वरीकट्मी, पुरुष एवं महिला नसबंदी, हेमोरोइड सर्जरी, थायरॉइड सर्जरी,
- सर्कम सीज़र (खतना), ब्रेस्ट(स्तन) कैंसर, पेट एवं मुँह के कैंसर रोग सर्जरी, पित्त की थैली(गॉलब्लेडर) की पथरी का ऑपरेशन, बड़ो एवं बच्चों के समस्त ऑपरेशन
पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी-7999640661

खबर संक्षेप

दिव्यांग अधिकारी-कर्मचारी संघ के जिला इकाई का गठन

अकलतरा। छ ग शासकीय दिव्यांग अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष पुकर राम कुर्रे के निर्देशानुसार प्रांतीय संयोजक मनोज महिलांगे, जिला अध्यक्ष बिलासपुर देव सिंह बंजारे, जिला अध्यक्ष कोरबा प्रकाश खाखसे के आतिथ्य में जिला इकाई जांजगीर का गठन किया गया जिसमे सर्व सहमति से जिला अध्यक्ष सन्तोष कुमार बंजारे को मनोनीत किया गया। जिला सचिव राजा भारते, उपाध्यक्ष मो इदरीश खान ,सन्तोष साहू कोषध्यक्ष दुर्गेश शांडिल्य, सहसचिव शंकर लाल आनन्द, सलाहकार राजीव कुमार साहू ,अकलतरा अध्यक्ष तिजराम लहरे ,पामगढ़ अध्यक्ष धीरेन्द्र बंजारे ,नवागढ कार्यकारिणी अध्यक्ष नरोत्तम कुर्रे ,बलौदा दुर्गेश शांडिल्य ,को नियुक्त किया गया। नियुक्ति के बाद पदाधिकारीगण के द्वारा दिव्यांग कर्मचारीयों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने की बात कही। इस अवसर पर गोपाल प्रसाद, नागेश्वर राय सिंह ,नेमचंद कुर्रे, सोहन लाल कर्ष ,सूरजभान सोनवानी ,धीरेन्द्र शांडिल्य, सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोधना के भाठापारा में रामायण गायन का भव्य आयोजन

गोधना। आदर्श ग्राम गोधना के भाठापारा मोहल्ला में गणेश उत्सव के अवसर पर रामायण गायन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पेंड्री के गायक रमेश साहू ने रामायण कथा का गायन एवं वाचन कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मोहल्ले सहित पूरे गांव से बड़ी संख्या में लोग कथा श्रवण के लिए पहुंचे। श्रद्धालु भक्ति भावना से रामकथा सुनते हुए भगवान राम के आदर्शों का स्मरण कर रहे थे। ग्रामीणों ने ऐसे धार्मिक आयोजनों को समाज में एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक चेतना बढ़ाने वाला बताया। रामायण गायन ने पूरे गांव में श्रद्धा और उत्साह का संचार कर धार्मिक पर्व को और अधिक गरिमामय बना दिया।

समाज कल्याण विभाग ने किया सहायक उपकरण का वितरण

सक्ती। रजत जयंती वर्ष 2025-26 के अवसर पर कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों द्वारा कई जनहितकारी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रजत जयंती के अवसर पर समाज कल्याण विभाग सक्ती द्वारा दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण योजना के अंतर्गत तहसील मालखरौदा के ग्राम दर्राभांठा के भावेश गवेल एवं अमित सिंह सिदार को व्हील चेयर तथा सुश्री बिरमती सिदार को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया।

ग्राम पंचायत बंदोरा में सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया गया सम्मानित

मालखरौदा। ग्राम पंचायत बंदोरा के पंचायत भवन प्रांगण में 8 सितंबर को दोपहर 12 बजे सरपंच नवधाराम लालू गवेल द्वारा ग्राम पंचायत स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सभी शासकीय प्राथमिक शाला पूर्व माध्यमिक शाला तथा हायर सेकेंडरी स्कूल एवं प्राइवेट स्कूल तथा सेवानिवृत्ति शिक्षकों को जनपद पंचायत मालखरौदा के अध्यक्ष कवि शरण वर्मा और जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप कश्यप और विकास खंड शिक्षा अधिकारी मोहनलाल प्रधान श्रीफल साल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा इस प्रकार के शिक्षकों को सम्मानित किए जाने से शिक्षकों के मन में बच्चों को और बेहतर पढ़ने के लिए प्रेरित होंगे ताकि इनके द्वारा पढ़ाए गए बच्चे गांव जनपद जिले का नाम रोशन करें। इस अवसर पर गांव के पंचगण व ग्रामवासी एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राए उपस्थित रहे।

सात दिवसीय श्रीमद भागवत गीता ज्ञान का आयोजन आज से

खरौद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय खरौद जरहा पारा द्वारा लक्ष्मणेश्वर मंदिर के सामने 7 दिवसीय श्रीमद भागवत गीता ज्ञान का आयोजन 10 से 16 सितंबर तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। प्रवक्ता राजयोगिनी तपस्विनी ब्रह्माकुमारी शशिप्रभा बिलासपुर द्वारा कथा श्रवण कराया जाएगा। सभी श्रद्धालुगओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने अपील की गई है।

समय सीमा की बैठक में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के दिए निर्देश

प्रगतिरत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय पर कराएं पूर्ण : तोपनो

हरिभूमि न्यूज ⏭ सक्ती

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते कलेक्टर अमृत विकास तोपनो।

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मंगलवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने सभी प्रगतिरत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के साथ जाति प्रमाण पत्र बनाने में फोकस करते हुए विशेष शिविर लगाने अधिकारियों को निर्देश दिए।

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मंगलवार 9 सितंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभाग अंतर्गत चल रहे विभागीय कामकाज की समीक्षा की। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सभी निर्माण कार्य जो प्रगति पर है, उन सभी को प्राथमिकता के साथ तेजी से पूर्ण कराने के आवश्यक निर्देश दिए तथा उन्होंने छात्र-छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने और साथ ही जरूरत पड़ने पर विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर द्वारा जिले में आयुष्मान भारत योजना एवं वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली वय वंदना योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला अंतर्गत विभिन्न विभागों के विभागीय कार्यों तथा प्रगतिरत विभिन्न निर्माण कार्यों सहित अन्य आवश्यक कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने राजस्व विभाग के ई-कोर्ट न्यायालयो में प्रकरणों के निराकरण की स्थिति, डिजिटल क्रॉप सर्वे, एग्रीस्टेक के माध्यम से किसान पंजीयन एवं फार्मर आईडी निर्माण की स्थिति सहित तहसीलवार अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुवे आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने खरीफ वर्ष 2025 हेतु खाद भंडारण एवं वितरण की स्थिति, बारदाना संग्रहण, विभिन्न विभागों के लंबित पेंशन प्रकरणों के अद्यतन स्थिति सहित अन्य कार्यो की विस्तारपूर्वक जानकारी ली तथा तेजी से निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर द्वारा पंचायत विभाग, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, विद्युत विभाग, खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मत्स्य पालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पशु चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर द्वारा विभागवार समय सीमा के लंबित प्रकरणों, जनदर्शन, जनचौपाल आदि में प्राप्त शिकायतों का विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियो को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए है। समय सीमा की बैठक में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन, अपर कलेक्टर बीरेंद्र लकड़ा, एसडीएम डभरा बालेश्वर राम, एसडीएम सक्ती अरुण कुमार सोम, एसडीएम मालखरौदा रूपेंद्र पटेल, जिला कोषालय अधिकारी उपेन्द्र पटेल सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

हेलमेट या कपड़े से चेहरा ढंककर आने वाले व्यक्तियों से न लें पार्सल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सक्ती

- बैठक में चेम्बर ऑफ कामर्स ने सप्ताह में एक दिन दुकानें बंद रखने किया विचार-विमर्श

चेंबर ऑफ कॉमर्स इकाई सक्ती की बैठक आयोजित की गई, जिसमें नवनियुक्त अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। बैठक में उपस्थित व्यापारियों ने यह भी सुझाव दिया कि सप्ताह में एक दिन सक्ती नगर में दुकान बंद रखने पर विचार किया जाए। हालांकि नगर बंद की तारीख एवं अंतिम निर्णय अभी निर्धारित नहीं किया गया है।

चेम्बर ऑफ कामर्स की बैठक सीए शैलेश निलेश के कार्यालय में हुई। बैठक में ऑनलाइन पार्सल डिलीवरी को लेकर भी जागरूकता पर जोर दिया गया। व्यापारियों ने नगरवासियों से अपील की कि घर या दुकान में पार्सल लेते समय डिलीवरी करने वाले व्यक्ति का चेहरा स्पष्ट दिखे। हेलमेट या कपड़ा ढककर आने वाले व्यक्तियों से पार्सल न लें, ताकि सीसीटीवी कैमरों में उनकी पहचान स्पष्ट रूप से दर्ज हो सके। इसी क्रम में नए सदस्यों के नामांकन एवं संगठन विस्तार को लेकर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर चेंबर इकाई अध्यक्ष मुकेश बंसल ने सभी व्यापारियों से अधिक से अधिक संख्या में संगठन से जुड़ने अपील की। उन्होंने कहा चेंबर ऑफ कॉमर्स हमेशा से व्यापारियों की आवाज रहा है। किसी भी प्रकार की समस्या, परेशानी या तकलीफ आने पर चेंबर आपके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। संगठन की ताकत ही व्यापारियों की ताकत है, और एकजुट होकर हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं। बैठक में चेंबर के सक्ती इकाई अध्यक्ष मुकेश बंसल, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, शंकर कथूरिया, पूर्व नपा अध्यक्ष रामावतार अग्रवाल, दिनेश शर्मा, प्रीतम गबेल, दिलीप अठवानी, समारु देवांगन, मांगेराम अग्रवाल, सुभाष गर्ग, ऋषि गोयल, अमर अग्रवाल, विज्जु डालमिया, राकेश अग्रवाल, मनीष कथूरिया, चमन, सुमित सराफ, देवेंद्र, विकास, विक्की, पवन सहित नगर के सैकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

कर्मयोगी अभियान के सफल संचालन के लिए दिया गया 3 दिवसीय प्रशिक्षण

सक्ती। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती सीईओ एवं जिला नोडल अधिकारी वासु जैन के निर्देशन में भारत सरकार की महत्वकांक्षी आदि कर्मयोगी अभियान के सफल संचालन के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सात लाईन डिपार्टमेंट, आदिवासी विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, वन विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग के डिस्ट्रिक्ट मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 31 ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया गया। इन ब्लॉक लेवल मास्टर ट्रेनर्स द्वारा विलेज लेवल वालिंटियर्स को ट्रेनिंग दिया जाना है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग जिला सक्ती से प्राप्त जानकारी अनुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाए जाने वाले आदि सेवा पर्व का उद्देश्य उन चेंज लीडर्स को तैयार करना है, जो अपने ग्राम को सशक्त, जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने के विजन 2030 का एक्शन प्लान बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कमजोर बच्चों को मुख्यधारा में लाने ले रहे एक्स्ट्रा क्लास

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिर्रा

- पढ़ने लिखने के साथ बोलने व समझ लाने शिक्षक कर रहे प्रयास

विकासखंड बम्हनीडीह के संकुल सेमरिया अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सेमरिया के प्रभारी प्रधान पाठक उमेश कुमार दुबे के द्वारा नई सोच नई पहल के साथ 9 सितंबर को मां सरस्वती पूजन पश्चात सुबह 8:30 बजे से 9:30 तक कमजोर छात्र-छात्राओं के लिए अतिरिक्त समय देकर उनके अन्य साथियों के साथ पढ़ने लिखने बोलने व समझ लाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। ऐसे बच्चे जो पढ़ने लिखने बोलने में कठिनाई महसूस करते हैं ऐसे विद्यार्थियों को विद्यालय में उनको अतिरिक्त समय देकर पढ़ाकर लिखाकर समझ के साथ मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। उमेश कुमार दुबे ने बताया कि कई ऐसे बच्चे हैं जिनके पालक खेती किसानी व अन्य कार्य में व्यस्त रहते है। कई गांव से बाहर जीवन-यापन के लिए चले जाते हैं जिनके कारण उनको घर में पढ़ने लिखने समझने में दिक्कत होती है इसको देखकर उनके गुणवत्ता शिक्षा विकास के लिए एक घंटा अतिरिक्त समय निकालकर उनको गुणवत्ता युक्त शिक्षा समझ के साथ लाने का प्रयास किया जा रहा है। यह प्रयास तब तक किया जावेगा जब तक बच्चे पूर्ण रूप से अपने अन्य साथियों के साथ पढ़ना लिखना नहीं जान पाते तब तक उनको एक घंटा अतिरिक्त क्लास लेकर दिया जाएगा। अतिरिक्त क्लास में बच्चों को कापी और पेन दिया गया। कक्षा में लखेश्वर जांगड़े, नंदनी जोशी,पूजा कश्यप,वंदना, रुखसाना बी,रचना केवट, खुशी कश्यप, विशाल रात्रे, साहिल कश्यप, नीतीक कश्यप,सोनाक्षी कश्यप, आलिया शेख, जागृति भारद्वाज, राकेश कश्यप उपस्थित थे।

बच्चों को पढ़ाते शिक्षक।

कुष्ठ रोग से ग्रसित व्यक्ति को आंखों की सुरक्षा पर देना चाहिए विशेष ध्यान

चांपा। सक्षम जिला जांजगीर चांपा एवं जिला स्वास्थ्य समिति सक्ती के संयुक्त तत्वावधान में नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा ग्राम नगरदा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मनाया गया। कार्यक्रम में सक्षम जिला जांजगीर चांपा के सविता प्रकोष्ठ प्रमुख डॉक्टर आशीष जायसवाल ने कुष्ठ रोग से नेत्र को होने वाले अंधत्व के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि कुष्ठ रोग के कारण आंखों की पलकों को बंद करने वाली नसें और मांस पेशियां शिथिल हो सकती हैं, जिससे आंखों के वाह्य आवरण झिल्लीनुमा संरचना कॉर्निया सूख जाती है। घाव बन जाने के कारण आंखों में सफेदी आ सकती है और रोगी अंधत्व का शिकार हो सकता है। कुष्ठ रोग से ग्रसित व्यक्ति को आंखों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। चश्मे या कपड़े की पट्टी का उपयोग करना चाहिए। आंखों को साफ पानी से धोना चाहिए। नेत्र विशेषज्ञ से जांच कराना चाहिए। लुब्रिकेंट आई ड्रॉप का उपयोग करना चाहिए।रक्त दान कर किसी मरते हुए व्यक्ति को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है। सुरेश थवाईत नेत्र सहायक अधिकारी ने नेत्र दान के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए नेत्र दान की प्रक्रिया से अवगत कराया। सक्षम के जिला सचिव डॉक्टर संतोष सोनी द्वारा कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के प्रमुख कारणों नेत्र सुरक्षा कॉर्नियल ब्लाइंडनेस से बचाव के उपायों के विषय में जानकारी देते हुए समाज में नेत्र दान जागरूकता हेतु स्कूल के छात्र ,छात्राओं को सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में नेत्र दान जागरूकता हेतु रैली भी निकाली गई।

भगवान परशुराम की आदम कद प्रतिमा का अनावरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

प्रतिमा का अनावरण करते छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष एवं अन्य।

नगर की स्टेशन रोड में भगवान परशुराम चौक और भगवान परशुराम की मूर्ति का अनावरण छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह के मुख्य आतिथ्य, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला की अध्यक्षता, देवरघटा के संत गोपाल दास महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष सत्य लता मिरी, जनपद अध्यक्ष शकुन अघरिया और वार्ड नंबर 8 के पार्षद धनराज सिंह चौहान के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संत गोपाल दास महाराज ने कहा कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठवें अवतार थे। उन्होंने धर्म की रक्षा के साथ संस्कार देने का कार्य किया। नगर में भगवान परशुराम चौक और मूर्ति स्थापना से विप्र समाज का गौरव बढ़ेगा। सौरभ सिंह ने कहा कि भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना के लिए सर्व ब्राह्मण समाज लंबे समय से प्रयासरत था। नगर पालिका परिषद द्वारा स्टेशन रोड पर चौक और मूर्ति स्थापना के लिए स्थान उपलब्ध कराकर निर्माण कार्य कराया गया। मूर्ति स्थापना के बाद समाजजन यहां पूजा-अर्चना करेंगे और प्रतिवर्ष भगवान परशुराम जयंती भी धूमधाम से मनाई जाएगी। कार्यक्रम को सुशांत शुक्ला, सत्य लता मिरी और धनराज सिंह चौहान ने भी संबोधित किया।

अग्रवाल समाज का जनकल्याण के क्षेत्र में बड़ा योगदान : राजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

नगर के जानकीलाल लिखमानिया धर्मशाला के नव प्रकल्प के लोकार्पण समारोह में समाजसेवी राजेन्द्र अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रमोद अग्रवाल, श्रवण अग्रवाल और ओमप्रकाश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर विराजमान रहे।

राजेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज का इतिहास केवल व्यापार और उद्योग तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक समर्पण, त्याग और जनकल्याण की दिशा में इसके अनगिनत योगदान रहे हैं। प्रमोद अग्रवाल ने बताया कि यह धर्मशाला अग्रवाल समाज की समर्पित भावना का प्रतीक है। लिखमानिया परिवार द्वारा समाज को दान में दी गई भूमि पर निर्मित यह धर्मशाला अब नगर में सामाजिक और धार्मिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। श्रवण अग्रवाल और ओमप्रकाश अग्रवाल ने समाज में एकता, सेवा और संस्कारों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकल्प समाज को जोड़ने और सामूहिक प्रगति की दिशा में प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान मंच पर बजरंग केड़िया, राजू केड़िया, संदीप केड़िया, गोविंद अग्रवाल, मंजू सिंह और रीना केड़िया उपस्थित रहे। संचालन अग्रवाल सेवा समिति के कोषाध्यक्ष गोपेश तुलस्यान ने किया और आभार प्रदर्शन समिति के अध्यक्ष विजय केड़िया ने किया। विजय केड़िया ने धर्मशाला के निर्माण और नव प्रकल्पों में योगदान देने वाले सभी सदस्यों, दानदाताओं और समाजसेवियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

लोकार्पण समारोह में उपस्थित अतिथि।

सम्मेलन में किसानों को दी गई आधुनिक खेती-किसानी की जानकारी

किसान देश की रीढ़, सरकार उनकी आय दोगुनी करने चला रही कई योजनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाराद्वार

किसान विज्ञान सम्मेलन में मंचस्थ अतिथि।

नगर पंचायत बाराद्वार के अंबेडकर भवन में मंगलवार 9 सितंबर को किसान विज्ञान सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने, नई तकनीकों को अपनाने और कृषि क्षेत्र में उन्नति के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से रखा गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11 बजे छत्तीसगढ़ महतारी की तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

सम्मेलन में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व विधायक खिलावन साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सक्ती के सभापति आयुष शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथियों में नारायण कुर्रे अध्यक्ष नगर पंचायत बाराद्वार, जितेश शर्मा उपाध्यक्ष नगर पंचायत बाराद्वार, अरुण शर्मा भाजपा जिला मंत्री, सांसद प्रतिनिधि अमित कालानोरिया, भाजपा नेता जगेश राय, दिनेश शर्मा तथा पार्षदगण अजय सिंह राजपूत, ओम प्रकाश कुर्रे, अनिल यादव, पवन अग्रवाल, राजेश साहू, अमित बरेठ, भारत बरेठ शामिल रहे। मुख्य अतिथि खिलावन साहू ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार में सुशासन की व्यवस्था बनी है, जिसका लाभ सीधे किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और सरकार उनकी आय दोगुनी करने के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है। ऐसे सम्मेलनों से किसानों को नई तकनीक समझने और अपनी खेती में अपनाने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम को नगर पंचायत अध्यक्ष नारायण कुर्रे, जिला पंचायत सभापति आयुष शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान से जुड़े विशेषज्ञों ने किसानों को जैविक खेती, मशरूम पालन, मत्स्य पालन, फूलों की खेती, फसल संरक्षण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। किसानों को यह भी बताया गया कि कैसे कम लागत में अधिक उत्पादन लेकर अपनी आय को बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन ऋषि वैष्णव ने किया। किसान विज्ञान सम्मेलन में बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और नगरवासी उपस्थित रहे।